MBA-RURAL DEVELOPMENT STUDENTS' GRAM SABHA VISITS [OCTOBER 2, 2019]

Department of Interdisciplinary Studies of Himachal Pradesh University Shimla organized field exposure visit for the students of MBA-Rural Development. Around 58 students of MBA-Rural Development visited 34-gram panchayats of seven districts and 25 development blocks of Himachal Pradesh.

Objectives of the visit was to expose the students of MBA-Rural Development to the functioning of Gram Panchayat how the people participants in the meetings, to understand the process of organizing the gram sabha meeting by way of understanding the role of GPs office bearer be it Pradhan, Up-Pradhan, ward members and the member as well.

Three tasks such as to know the views of participants who are participating in the gram sabha, non-participants who do not participating in gram sabha students have to go to the villages to collects their views. Second one was to have the recording of the Pradhan about the functioning of Gram Sabha, secretary about the implementation of rural development schemes, ward members about the participation in gram sabha and other decision making process, MGNREGA about the employment generation work under the scheme and other member of the gram sabha about the overall functioning of gram panchayat. There was another format which was about the participation of people in previous and present gram sabha as well the entire gram sabha meeting as per the provision of department of panchayati raj and RDD.

Among the total 34gram panchayats visited by the MBA-RD students there were 20 GPs of Shimla districts namely Jeori, Jaipidi, Halogi, Kutara, Munchharna, Kotkarh, Sunni, Chaili, Dadas, Pujarli, Biyolia, Neri, Dalgaon, Balddeyan, Basantpur, Majthai, Kamaha, Dhalli, GorliMadaug and Naldehra.6 GPs of Solan District Shernol, Delgi, Bhanuti, Darlaghat, Bisha & Kanair, 3 GPs of Mandi Urla, Tilli&Kangu, 2 Sirmaur Shivpur, Nainatikkar, 1 GP Lagnanwan from Hamirpur district, 1 GP from Kangranamely Gummar and 2 GPs from Una i.e. Chhetran &Jasaana.

There were some awareness activities like sanitation campaign, anti drug addiction, government policy on polythene purchase however the maximum Gram Panchayats among visited were shortage of quorum hence no resolution could have been passed.

The reason of shortage of quorum was the navratra, apple seasons and people less interests in gram sabha. However, the Pradhan and secretary of all gram sabha narrated that other than October gram sabha generally fulfil the required quorum as people remain free.

The faculty team of MBA-Rural Development Dr.Randhir Singh Ranta (Coordinator), Dr. Rattan Singh Chauhan, Dr. Sanjeev Kumar, Dr. Baldev Singh Negi, Dr. Lalit Kumar Sharma, Dr. Vijay Kumar Sharma managed this field visits as per the direction of Prof. R.P. Sharma Director, DIS-IIHS. Prof. R.P. Sharma thanked the officers of Department of Rural Development and Department of Panchayati Raj of Himachal Pradesh Government for allowing the students visits to various gram panchayat. He also appreciated the courage of the students for visiting the rural areas for understanding the process of rural development by the gram sabhas.

एमबीए छात्रों ने ग्रामसभाओं में बताया कैसे कराएं विकास

जनसहभागिता का बताया लोगों को महत्व, थड़ी, नेरी, बल्देंयां पंचायतों की ग्रामसभा में हिस्सा लेकर किया जागरुक

शिमला। हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के एमबीए ग्रामीण विकास विभाग के छात्र-छात्राओं ने दो अक्तूबर को आयोजित पांच पंचायतों की ग्राम सभाओं में हिस्सा लिया और लोगों को विकास में जन सहभागिता का महत्व बताया। कोर्स के 71 छात्र-छात्राओं ने शिमला की नेरी, बल्देंयां, थड़ी, घणाहट्टी और भौंट पंचायत की ग्रामसभा में पहुंचकर कार्रवाई को जाना। यह पहला मौका था कि एमबीए ग्रामीण विकास के छात्र-छात्राओं ने किसी ग्रामसभा में शिरकत की हो।

छात्रों ने लोगों और पंचायत प्रतिनिधियों को बताया कि क्षेत्र में विकास तभी संभव है जब ग्रामसभाएं इसमें भागीदारी निभाएंगी। छात्र-छात्राओं ने इस दौरान ग्रामीणों से बातचीत कर महत्वपूर्ण जानकारी जुटाई। इसमें बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कैसे किया जा सकता है । पंचायत में पारदर्शिता कैसे बढ़ाएं इन सब मुद्दों को लेकर छात्रों ने एक रिपोर्ट भी तैयार की है। ग्राम अध्ययन का यह कार्यक्रम हिमाचल प्रदेश ग्रामीण विकास विभाग की मंजूरी से आयोजित किया गया। विवि के अंतर विषयक अध्ययन संकाय के निदेशक प्रो. आरपी शर्मा ने फिल्ड स्टडी के इस कार्यक्रम की सराहना की। फील्ड विजट के लिए संबंधित पंचायतों को जरूरी निर्देश देने को विभाग के संयुक्त सचिव जीएस नेगी और उपनिदेशक संजय भगवती का आभार जताया। अंतर विषयक अध्ययन संकाय के शिक्षकों डॉ. रतन सिंह चौहान, डॉ. रणधीर सिंह रांटा, डॉ. संजीव कुमार, डॉ. पंकज गुप्ता, डॉ. पवन कुमार अत्री, कुलदीप सिंह, डॉ. पुष्पा ठाकुर, डॉ. बलदेव सिंह नेगी, डॉ. ललित कुमार शर्मा, सुनील कुमार जसवाल और डॉ. विजय कुमार शर्मा ने इस कार्य में सहयोग किया। उन्होंने कुलपति और संस्थान के निदेशक प्रो. सिकंदर कुमार का फिल्ड स्टडी में सहयोग तथा मार्गदर्शन करने के लिए आभार भी जताया है। ब्यूरो

विद्यार्थियों ने जानी ग्राम सभा की कार्रवाई

ग्राम पंचायत थडी में ग्रामसभा के दौरान उपस्थित एमबीए के विद्यार्थी ● जागरण

जागरण संवाददाता, शिमला : हिमाचल प्रदेश विवि के एमबीए विभाग की ओर से विद्यार्थियों ने गांधी जयंती पर पांच पंचायतों की ग्रामसभा की कार्रवाई में भाग लिया। एमबीए ग्रामीण विकास के 71 विद्यार्थियों ने अलग-अलग समूह में पांच ग्राम पंचायतों थड़ी, नेरी, बल्देयां, भोंट और घनाहट्टी की ग्राम सभाओं में हिस्सा लिया। विद्यार्थियों ने संबंधित ग्रामसभा के लोगों से ग्रामीण विकास में स्थानीय निकायों की भूमिका तथा इसमें स्थानीय जरूरतों पर आधारित योजनाओं के लिए ग्रामसभा के माध्यम से सामूहिक भागीदारी की जरूरत पर अपने विचार साझा किए। विद्यार्थियों एक प्रश्नावली के माध्यम से स्थानीय लोगों से उनकी राय भी ली। विद्यार्थी शिक्षकों की मदद से एक विस्तृत रिपोर्ट बनाएंगे, जिसे ग्रामीण विकास विभाग व पंचायती राज विभाग के साथ साझा किया जाएगा।